(क) क्या सरकार ने संसद सदस्यों द्वारा यथा प्रस्तावित और केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण की योजना को स्वीकृति दे दी है;

(ख) यदि हां, तो अब तक कितने किलोमीटर सड़क निर्माण हेतु राज्य-वार स्वीकृति दी गई है;

(ग) इस प्रयोजन हेतु राज्य-वार कुल कितनी धनराशि आबंटित तथा जारी की गई है; और

(घ) राज्यों द्वारा इस संबंध में राज्य-वार कितना धन खर्च किया गया तथा राज्य-वार कितने किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और कितने किलोमीटर सड़क निर्माणाधीन है?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तम भाई एच० पटेल): (क) इस मंत्रालय ने संसद सदस्य के प्रस्ताव पर देश में ग्रामीण सड़कों का निर्माण करने के लिए किसी योजना की स्वीकृति नहीं दी है।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता।

Newspaper Report on Synthetic Milk

489. SHRI O.P. KOHLI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to the news-item captioned "Dairy Sector-Dangerous synthetic milk" appearing on page 10 of the 'Hindustan Times' dated 29.1.96 wherein it has been stated that adulterated milk is being sold in the country endangering the public health;

(b) if so, the facts thereof;

(c) the reaction of Government to the news-item; and

(d) whether Delhi Milk Scheme and Mother Dairy are also supplying milk mixed with synthetic milk to Delhites?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MOHD. AYUB KHAN): (a) and

(b) The news-item has received the attention of the Government. In Haryana 8 samples in Punjab 3 samples and in Uttar Pradesh 1 sample of milk have been reportedly adulterated with added urea, vegetable oil. foreign fat, sodium hydroxide etc. The State Government of Haryana and Punjab have already launched prosecution against the vendors.

(c) The sale of milk and milk products containing a substance not found in milk is already prohibited under the Prevention of Food Adulteration Act 1995. The Food (Health) authorities of States/Union Territories have been requested to keep a strict vigil on the quality of milk.

(d) No. Sir.

उर्वरकों के उत्पादन में उत्पादन लक्ष्य की प्राप्ति

490. **श्रीमती मालती शर्मा:**
श्री राजनाथ सिंह:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 1995-96 के दौरान उर्वरक के उत्पादन का निर्धारित लक्ष्य प्राप्त हो जाएगा;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार को इस बात का विश्वास है कि वर्ष 1995-96 के दौरान किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की डिलीवरी कर दी जाएगी;

(ग) गत तीन वर्षों की तुलना में उर्वरकों के उत्पादन में वृद्धि की प्रतिशतता कितनी है; और

(घ) वर्ष 1994-95 के दौरान देश में यूरिया की मांग और सप्लाई का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री राम लखन सिंह यादव): (क) और (ख) जी, हां।

(ग) वांछित सूचना नीचे दी गई है:

	नाइट्रोजन और फास्फेट का उत्पादन (मोषक लाख टन में)	पूर्ववर्ती वर्ष में वृद्धि दर का प्रतिशत
1	2	3
1992-93	97.4	
1993-94	90.4	(-)7.2
1994-95	104.4	15.5
1995-96 अनुमानित*	113.3	8.5

*31.1.1996 तक वास्तविक उत्पादन और फरवरी, मार्च, 1996 के लिए अनुमानित उत्पादन।

(घ) आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत मांग के राज्यवार ब्यौरे जैसा कि 1994-95 के दौरान यूरिया की संचयी उपलब्धता और मौसमवार आबंटन में दिखाया गया है संलग्न विवरणपत्र में दिए गए हैं।

विवरण

1994-95 के दौरान देश में यूरिया की उपलब्धता और ई सी ए का राज्यवार आबंटन

(000 मि० टन)

राज्य का नाम	खरीफ, 94		रबी, 94-95	
	कुल ईसीए आबंटन	30.9.94 तक संचयी उपलब्धता	कुल ईसीए आबंटन	30.9.95 तक संचयी उपलब्धता
आन्ध्र प्रदेश	907.04	887.20	1102.97	1147.62
कर्नाटक	421.55	414.36	351.35	362.72
केरल	73.08	65.43	51.92	55.51
पाण्डीचेरी	8.43	10.02	13.78	12.15
तमिलनाडु	214.50	250.45	510.40	518.58
अण्डमान और निकोबार	0.55	0.41	0.44	0.00
गुजरात	367.82	423.68	537.30	560.43
मध्य प्रदेश	600.82	601.79	550.50	552.53
महाराष्ट्र	1008.70	966.08	666.60	676.09
राजस्थान	363.00	414.34	539.50	543.26
गोवा	3.08	3.06	2.20	1.41
दमन और दीव	0.22	0.17	0.14	0.09
दादर और नगर हवेली	1.29	1.29	0.26	0.25
हरियाणा	462.00	473.48	643.50	669.39
पंजाब	878.42	914.40	1122.00	1159.51
उत्तर प्रदेश	1765.50	1814.93	2603.70	2604.59
हिमाचल प्रदेश	20.93	23.83	22.00	23.93
जम्मू और कश्मीर	58.15	57.32	24.16	21.02
दिल्ली	8.67	7.64	19.79	21.76
चण्डीगढ़	0.32	0.32	0.44	0.44
बिहार	569.88	519.87	601.08	576.99

राज्य का नाम	खरीफ, 94		रबी, 94-95	
	कुल ईसीए आबंटन	30.9.94 तक कुल संचयी उपलब्धता	ईसीए आबंटन	30.9.95 तक संचयी उपलब्धता
उड़ीसा	214.89	167.94	108.60	116.63
प० बंगाल	337.77	347.60	552.83	553.21
आसाम+एनई स्टेट्स	94.53	76.58	83.68	89.32
लक्षद्वीप	0.00	0.00	0.12	0.12
अखिल भारत	8381.14	8442.19	10109.26	10274.55

कपास की फसल में कीड़ा

491. **श्री रामजीलाल:** क्या कृषि मंत्री 8 दिसम्बर, 1995 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1241 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कपास की फसल के किन-किन कीड़ों के संबंध में कृषि वैज्ञानिकों ने अनुसंधान किया है परन्तु फिर भी कपास की फसल उत्तरी भारत में कम होती जा रही है; और

(ख) क्या सरकार ने इस कीड़े से संबंधित कोई समिति गठित की है जिस पर किसी दवा का असर नहीं होता है, किसानों को होने वाले नुकसान को तुरन्त रोकने के लिए और जिसके संबंध में वैज्ञानिक अमेरिकन सुण्डी कह कर कोई ध्यान नहीं देते है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद अयूब खान): (क) कपास की फसल पर कई नाशी जीवों का आक्रमण होता है जिससे इस फसल की उपज कम हो सकती है। इनमें गुले वाले कीड़े (भृंग) भी शामिल हैं। कृषि वैज्ञानिकों ने इन नाशी जीवों के नियंत्रण के लिए अनेक व्यापक अनुसंधान किए हैं और ठोस समेकित नाशी जीव प्रबन्ध विधियां विकसित की हैं। तथापि देश के उत्तरी राज्यों में हाल में कपास की उपज में कमी का कारण असमान तथा अधिक वर्षा और प्रतिकूल मौसम है। जब मौसम संबंधी विपरीत परिस्थितियां फसल में फूल आने और गुले बनने के समय होती हैं तो इनका और भी प्रतिकूल प्रभाव होता है।

(ख) सरकार ने सभी महत्वपूर्ण फसलों, जिसमें कपास की फसल भी शामिल है, में नाशी जीवों की नियमित निगरानी के लिए नाशी जीव चौकसी दलों का गठन किया है, ताकि नाशी जीवों के नियंत्रण के लिए समय पर उपयुक्त उपाय अपनाये जा सकें। किसान-फील्ड स्कूलों के माध्यम से प्रसार कार्यकर्ताओं और किसानों को प्रदर्शन व प्रशिक्षण के द्वारा समेकित नाशी जीव प्रबन्ध का गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किये जाते हैं ताकि कपास की फसल को समेकित नाशी जीव प्रबन्ध को अपनाया जा सके।

अमेरिकी गुल्लों के कीड़े (सुंडी) में कृत्रिम पाइरेथ्रायड के नाम से जाने जाने वाले रासायनिक नाशी जीव नाशियों के एक समूह के प्रतिरोधिता उत्पन्न हो गई है। इस समस्या के निपटने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और केन्द्र तथा राज्य सरकारों ने इन रसायनों के उपयोग को हतोत्साहित किया है और जैविक नियंत्रण एजेन्टों तथा जैविक नाशी जीव नाशियों के उपयोग पर जोर देते हुए समेकित नाशी जीव प्रबन्ध की प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिया है।

Newspaper Report on Controlled Drugs List

492. **SHRI H. HANUMANTHAPPA:**
SHRI RAJNI RANJAN SAHU:
SHRI GOVINDRAM MIRI:

Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item in 'Financial Express' of 11th February,